तापमान
अधिकतम 37.0 डिग्री
न्यूनतम 22.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, शुक्रवार 22 मई 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

12 मुख्यमंत्री विष्णु देव के नेतृत्व में गांव-गांव तक पहुंच...

12 अब हर आपात स्थिति में मिलेगी तुरंत मदद जिले...

खबर संक्षेप

बस्तर जिला कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बने शुभम

जगदलपुर। मदर टेरेसा वार्ड से दो बार के युवा पार्षद शुभम यदु को कांग्रेस ने अन्य पिछड़ा वर्ग के जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की अनुशंसा पर आल इंडिया कांग्रेस ने उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेश संगठन महामंत्री मलकीत सिंह गैदू के मार्गदर्शन में ओबीसी जिला अध्यक्षों की सूची जारी की गई है। शुभम यदु ने बताया कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भरोसा जताते दायित्व सौंपा है। आभार जताते उन्होंने कहा कि इस भरोसे को कायम रखते हुए कांग्रेस पार्टी की रीति नीति के अनुसार काम करेंगे।

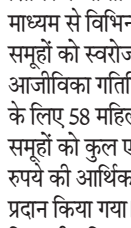

दरभा शिविर में डेढ़ करोड़ से अधिक राशि का ऋण स्वीकृत

जगदलपुर। सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर दरभा में महिला स्व-सहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। शिविर में आयोजित लोन मेले के माध्यम से विभिन्न स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार और आजीविका गतिविधियों के विस्तार के लिए 58 महिला स्व-सहायता समूहों को कुल एक करोड़ 59 लाख रुपये की आर्थिक सहायता ऋण प्रदान किया गया। इस अवसर पर हितग्राही महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। समूहों को बैंक ऋण उपलब्ध कराए जाने से अब वे सिलाई, पशुपालन, किराना व्यवसाय, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि आधारित गतिविधियों तथा अन्य लघु उद्यमों को आगे बढ़ा सकेंगी। महिलाओं ने कहा कि इस सहायता से वे आत्मनिर्भर बनने के साथ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर पाएंगी। शिविर में तीन लाख रुपए की ऋण सुविधा लेने वाली तीरथगढ़ निवासी पदमा कावड़े ने बताया कि पूर्व में कुक्कुटपालन कर व्यवसाय कर रही थी और अब लोन लेकर सुगंधित धान की खेती-किसानी कर मक्का और मौसमी सब्जी के उत्पादन करने की योजना बनाई है। इसी प्रकार छिंदावाडा निवासी लता राव ने लोन मेला से दो लाख की ऋण राशि स्वीकृत कराई है जिसका उपयोग किराना दुकान संचालन करना चाह रही हैं।

रेल पटरी में युवक की मिली सिर कटी लाश

जगदलपुर। परपा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम कुम्हारमारेंगा रेलवे पटरी पर गुरुवार सुबह एक युवक की सिर कटी लाश मिली है। परपा पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पंचनामा के बाद पीएम के लिए डिमरापाल मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक ट्रेन से कटने से युवक का सिर व धड़ अलग हो गया था। उसने आत्महत्या की या दुर्घटनावश उसकी मौत हुई इसकी पुलिस जांच कर रही है। सुबह कुछ ग्रामीणों ने रेल पटरी में सिर कटी लाश देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मृतक के शिनाख्त का प्रयास किया लेकिन नहीं हो पाई। इसी बीच मृतक के पास से आधार कार्ड बरामद हुआ जिससे उसकी शिनाख्त ज्ञान सिंह पिता शिवराम 28 वर्ष निवासी पेण्ड्रारोड बस्ती बागरा बिलासपुर के रूप में हुई। मामले की विवेचना कर रहे एएसआई अजीत सिंह ने बताया कि आधार कार्ड से शिनाख्त होने के बाद मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है। परिजनों के पहुंचने के बाद शुक्रवार को उसका पीएम किया जाएगा। युवक ने आत्महत्या की या मौत की वजह किया है, इसकी पुलिस जांच कर रही है। बिलासपुर से युवक जगदलपुर कब पहुंचा इसका पता परिजनों के आने के बाद लग सकेगा।

मोर बिजली एप में बिल अपलोड नहीं होने से उपभोक्ता परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ऑनलाइन की बजाय कार्यालय में पहुंच कर नकद में कर रहे बिल का भुगतान

मोर बिजली ऐप में तकनीकी खराबी के चलते बिल अपलोड नहीं किया गया है। जिसके कारण बिल का भुगतान नहीं होने से उपभोक्ता परेशान है। उपभोक्ताओं ने पॉवर हाऊस कार्यालय में पहुंच कर समस्या बताई तो विद्युत कंपनी के कर्मचारी एवं अधिकारी ने कहा इसकी कोई जानकारी नहीं है। यहीं कारण है कि कई उपभोक्ता बिल का भुगतान ऑनलाइन करते हैं पर तकनीकी के चलते उपभोक्ताओं को पहुंचकर नकद में भुगतान करना पड़ रहा है।

मोर बिजली ऐप फिलहाल काम नहीं कर रहा, जिसके कारण ग्राहकों को बिजली विभाग के दफ्तरों के चक्कर काटना पड़ रहा है। ग्राहकों की सुविधा के लिए बिजली विभाग ने इस ऐप की शुरूआत तो कर दी थी। लेकिन उपभोगताओं की समस्या का समाधान नहीं हो रहा, उल्टा उन्हें कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों के लिए सिरदर्द बन रहा ऐप

शहर में मोर बिजली ऐप को यूज करने वाले उपभोक्ताओं ने बताया कि मोर बिजली एप के भरोसे उन्होंने अपने बिल का भुगतान कर दिया। लेकिन दूसरे महीने के पिछले माह का बिल जोड़कर भेजा रहा है। इसके अलावा बिजली गुल होने पर ऐप के माध्यम से शिकायत करने पर समस्या का समाधान नहीं हो पाता, बल्कि उन्हें मैसेज कर दिया जाता है कि उनके समस्या का समाधान हो गया है।

जानकारी उच्च अधिकारी को देंगे

विद्युत कंपनी जगदलपुर शहरीय संभाग के कार्यपालन अभियंता सुदीप खेस ने बताया कि मोर बिजली ऐप में यदि तकनीकी खराबी होने की जानकारी उच्च अधिकारी को देंगे। इससे समस्या का निराकरण हो सके।

सुशासन तिहार : भेजा के ग्रामीणों को मिला योजनाओं का सीधा लाभ

माओवाद के साये से निकलकर क्षेत्र लिख रहा बदलाव की एक नई इबारत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले के सुदूर वनांचल में स्थित लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम भेजा में सुशासन तिहार जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कभी माओवाद के साये में रहने वाला यह पूरा क्षेत्र आज बदलाव की एक नई इबारत लिख रहा है। क्षेत्रवासियों की विकास की मुख्य धारा में शामिल होने की तीव्र ललक और जिला प्रशासन के सतत सहयोग व प्रयासों के चलते अब यह पूरा अंचल माओवाद के प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो चुका है। शांति और प्रगति के इस नए दौर में आयोजित शिविर को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया, जिसके चलते विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 260 आवेदन प्राप्त हुए। प्रशासन की सक्रियता के चलते इनमें से 130 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर जनता को बड़ी राहत दी गई, जबकि शेष मामलों के त्वरित निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में अंचल के प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने शिरकत कर ग्रामीणों का हौसला बढ़ाया, जिनमें जनपद पंचायत अध्यक्ष पद्मा कश्यप, ⏭शेष पेज 12 पर

- 260 आवेदनों में से 130 का मौके पर निराकरण

10 ग्रामीणों को मिले आयुष्मान कार्ड

बंदूक की गूंज से मुक्त इस शांत अंचल में अब विकास की बयार बह रही है और शिविर के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी और हितग्राहीमूलक योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आधुनिक पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से ग्रामीणों की जांच की गई, जिसमें विशेष रूप से संभावित टीबी मरीजों की पहचान पर ध्यान केंद्रित किया गया साथ ही 10 ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किए गए। सामाजिक और आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 5 आवास हितग्राहियों को उनके नए घर की चाबियां सौंपी गईं, तो वहीं आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही अंचल की 11 लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र और महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक संबल देने के लिए ऋण स्वीकृति के चेक वितरित किए गए।

किसानों को केसीसी और मछुआरों को मिले जाल

ग्रामीण आजीविका और शिक्षा को बढ़ावा देकर मुख्य धारा को और मजबूत करने के उद्देश्य से शिविर में विशेष प्रयास दिखे, जहां कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 10 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और मत्स्यपालन से जुड़े 3 हितग्राहियों को मछली जाल का वितरण किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया तथा स्कूली छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसके साथ ही 10 बुजुर्गों एवं पात्र ग्रामीणों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र सौंपे गए, जबकि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित अन्नप्राशन कार्यक्रम में 4 नन्हे बच्चों को पहला ठोस आहार खिलाकर उनके सुपोषण और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की गई।

पिटाई से पत्नी की हुई मौत पति को 10 साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले के थाना बंडाजी क्षेत्र के ग्राम पोटनार कोटवारपारा में लगभग 10 माह पूर्व पति ने शराब में पत्नी के साथ मारपीट होने के चलते मौत हो गई। इस मामले में प्रधान सत्र न्यायाधीश गोविंद नारायण जांगड़े ने पति को दोषी होने पर 10 वर्ष की सजा दी।

न्यायालयीन सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधान सत्र न्यायाधीश की अदालत ने हत्या के आरोपी सोनसिंग कश्यप को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) में दोषमुक्त करते हुए धारा 105(2) के तहत दोषी करार दिया है। अदालत ने आरोपी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 100 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा नहीं ⏭शेष पेज 12 पर

- शराब विवाद में पत्नी की मारपीट पड़ी भारी

2 दुकानों पर 5-5 हजार का जुर्माना

बस्तर। नगर पंचायत बस्तर की टीम ने स्वच्छता अभियान के तहत कचरा फैलाने और गंदगी करने पर 2 दुकानों पर 5-5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। सीएमओ तरुण पाल लहरे ने जानकारी दी कि निरीक्षण के दौरान एचडीएफसी सेवा केंद्र एवं पार्सल डिलीवरी की दुकानों में कचरा फैलाया जा रहा था। इस पर दोनों प्रतिष्ठानों पर तत्काल जुर्माना किया गया। सीएमओ ने कहा कि नगर में पॉलीथिन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके ⏭शेष पेज 12 पर

- मेरा दुकान प्लास्टिक मुक्त स्लोगन लगाने की अपील

पूर्व पीएम राजीव के योगदान को कांग्रेसियों ने किया याद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिला कांग्रेस शहर ने राजीव भवन में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि सादगी से मनाई। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य सहित पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए देश के विकास में उनके योगदान को याद किया। अध्यक्ष ने कहा 21वीं सदी के आधुनिक ⏭शेष पेज 12 पर

जमीन विवाद पर भाई ने ली भाई की जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

जमीन विवाद पर भाई की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन के मार्गदर्शन एवं राहुल उइके एसडीओपी के पर्यवेक्षण में पुलिस ने हत्या के आरोपी को 24 घण्टे के अंदर गिरफ्तार किया है। 19 मई को शाम 4 बजे पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम टेकनार कोन्टीपारा में हत्या हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस क्राइम सीन यूनिट के साथ घटना स्थल पहुंची। प्रार्थी सुरेश भास्कर 29 वर्ष ने मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराया कि 19 मई को ग्राम टेकनार कोन्टीपारा के सुदराम के यहां पुत्री का नामकरण कार्यक्रम हो रहा था। जहां मृतक एवं आरोपी दोनों भाइयों के बीच परिवारिक जमीन को लेकर वाद-विवाद ⏭शेष पेज 12 पर

- 24 घंटे के अन्दर आरोपी पकड़ाए

कुरेंगा में जलसंकट, पानी के लिए बच्चों महिलाओं को करनी पड़ रही मशक्कत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भारतीय किसान यूनियन के जिला सचिव जगदु राम कश्यप ने बताया कि ग्राम पंचायत कुरेंगा में लंबे समय से गंभीर पेयजल संकट बना हुआ है। ग्रामीणों ने कई बार विभाग एवं प्रशासन को मौखिक और लिखित रूप से शिकायतें करते आवेदन प्रस्तुत किए है। लेकिन आज तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

श्री कश्यप ने कहा कि गांव के लोगों को पीने के पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे ग्रामीणों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। लगातार बढ़ती गर्मी के ⏭शेष पेज 12 पर

- ग्रामवासियों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर पानी समस्या दूर करने की लगाई गुहार

समस्या का निदान नहीं तो 27 को चक्काजाम

ग्रामवासियों ने तहसीलदार को आवेदन सौंपकर पेयजल समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया, तो ग्रामवासी 27 मई को प्रातः 11 बजे तोकापाल में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से चक्काजाम करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण होगा और इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

महापौर समेत पार्षदों ने स्वच्छता के बारे में लोगों को किया जागरूक

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिलाई गई शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सुशासन तिहार के अंतर्गत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मोतीलाल नेहरू, पं. दीनदयाल उपाध्याय, दंतेश्वरी, राजेन्द्र नगर, गांधी नगर, गंगानगर, जवाहर नगर एवं शांतिनगर वार्ड के नागरिक शामिल हुए।

शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं का निराकरण मौके पर किया गया। राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को प्रदान किया गया। साथ ही मेधावी छात्राओं का सम्मान किया गया तथा उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। वहीं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आमजनों की समस्याएं सुनकर समाधान किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, व्यापारी संगठनों, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, स्कूलों के प्राचार्यों तथा स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सहभागिता निभाई।

ये रहे उपस्थित- इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, निर्मल पानीग्राही, त्रिवेणी रंधारी, संजय विश्वकर्मा, नगर निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, पार्षद आशा साहू, उर्मिला यादव, माया नायक, ज्योस्टिस भवानी, माधवी मंडल, अशोक पांडे, राजेश गुप्ता, बी रामकुमार सहित निगम अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

- सुशासन तिहार में वार्डवासियों की समस्याओं का हुआ निराकरण

लोगों को दिलाई गई स्वच्छता शपथ

कार्यक्रम के दौरान आमजन को स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता शपथ दिलाकर शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया।

महापौर ने कचरा अलग- अलग रखने किया प्रेरित

महापौर संजय पांडेय एवं जनप्रतिनिधियों ने लोगों को कचरे का चार प्रकार से पृथक्करण करने के लिए प्रेरित किया। इसमें गीला कचरा, सूखा कचरा, घरेलू हानिकारक कचरा एवं सैनिटरी वेस्ट को अलग-अलग रखने की जानकारी दी गई। बताया गया कि कचरे का सही पृथक्करण स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय परिसर में सभी प्रकार के कचरों हेतु अलग-अलग डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित करने, शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था एवं परिसर की स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छता शपथ एवं विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों के आयोजन पर जोर दिया गया।

वाहन में अवैध परिवहन करते 330 क्विंटल मक्का किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड बस्तर संभाग के जेडी के निर्देश पर कृषि उपज मंडी की टीम उपज के अवैध परिवहन को रोकने के लिए सक्रिय हैं। इसके लिए टीम अवैध परिवहन, भण्डारण और बिना वैध दस्तावेजों अनुज्ञा पत्र के व्यापार पर रोक लगाने के लिए वाहनों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में कोंडागांव कृषि उपज मंडी की निरीक्षण दल ने बुधवार की रात एवं गुरूवार को पुलिस थाना अनंतपुर क्षेत्र में ट्रक की तलाशी की। इसमें मक्का 550 बोरा 330 क्विंटल का मिला, जिसका दस्तावेज नहीं मिलने से अवैध परिवहन करते मिले। इस पर मंडी मंडी अधिनियम अनुसार वाहन सहित मक्का को जप्त करने की कार्रवाई कर थाना अनंतपुर के पुलिस के ⏭शेष पेज 12 पर

- व्यवसायी पर किया पांच गुना मंडी शुल्क का जुर्माना

अवैध परिवहन पर होगी सख्त कार्रवाई

राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक सुरेश कुमार सिंह ने अवैध परिवहन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, इसलिए मंडी सचिवों को निर्देश दिए कि उपज का अवैध परिवहन को रोकने का प्रयास करें।

खबर संक्षेप

संविदा शिक्षक-कर्मचारियों का प्रदेश स्तरीय आंदोलन होगा 4 अगस्त से

फरसगांव। छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ ने प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव के नेतृत्व में 4 एवं 5 अगस्त 2026 को दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय आंदोलन की घोषणा की है। आंदोलन संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर आयोजित किया जाएगा। संघ की प्रमुख मांगों में कलेक्टर समिति व्यवस्था समाप्त कर शिक्षा विभाग में समायोजन, वार्षिक वेतन वृद्धि, 50 लाख रुपये बीमा सुरक्षा, पीएफ कटौती एवं सेवा सुरक्षा शामिल हैं। संगठन मध्यप्रदेश की तर्ज पर संविदा नियम लागू करने की मांग भी कर रहा है। संघ में कोंडागांव जिलाध्यक्ष प्रकर्ष राव पत्की ने कहा कि कर्मचारियों के हितों को लेकर आंदोलन को सफल बनाने व्यापक तैयारी की जा रही है। संगठन ने सभी कर्मचारियों से अधिक संख्या में शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

मृतक के परिजन को मिली 6.25 लाख की दावा राशि

कोण्डागांव। भारतीय डाक विभाग की ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजना के अंतर्गत मृतक हेमंत कुमार भोयर, निवासी मुलमुला कोंडागांव के मृत्यु दावा प्रकरण का निराकरण किया गया। हेमंत कुमार भोयर की 18 अप्रैल 2025 को सड़क दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। मृत्यु दावा प्रकरण में नामांकित व्यक्ति एवं मृतक के भाई पुबेन्द्र भोयर को बीमा राशि का भुगतान किया गया। मृतक ने 6 लाख रुपए का बीमा कराया था। 21 मई 2026 को उपडाकघर कोंडागांव में उपसंभागीय निरीक्षक आर.एस. मिश्रा द्वारा नॉमिनी को कुल 6 लाख 25 हजार 91 रुपए की राशि प्रदान की गई। परिजनों ने बताया कि योजना के लाभ और विश्वास को देखते हुए उन्होंने स्वयं भी 3 लाख रुपए का बीमा कराया है। वहीं मृतक के भाई रूपधर भोयर ने भी 5 लाख रुपए का डाक जीवन बीमा करवाया है।

कलेक्टर जनदर्शनः दो दिनों में जारी हुआ मृत्यु प्रमाण पत्र

कोण्डागांव। कलेक्टर जनदर्शन में प्रस्तुत आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने मात्र दो दिनों के भीतर आवेदिका को मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया। आवेदिका श्रीमती रुक्मिणी नंदा ने मंगलवार को आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में अपने पुत्र के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी देवेंद्र शोरी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद कोण्डागांव को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी देवेंद्र शोरी के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद कोण्डागांव द्वारा त्वरित प्रक्रिया पूर्ण की गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव के नेतृत्व में गांव-गांव तक पहुंच रहा विकासः केदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिले के मर्दापाल क्षेत्र में ग्रामीण विकास को नई गति देते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में कुल 1 करोड़ 2 लाख रुपए की लागत के 09 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्राम सोनाबाल में 20 लाख रुपए की लागत से पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वहीं नगरी के मंडली भवन से पनवाड़ी तालाब तक 300 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया, जिसकी लागत 9 लाख रुपए है। ग्राम पंचायत खण्डाम में बलदेव पोयाम के खेत के पास 3 मीटर पुलिया निर्माण कार्य तथा पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वहीं ग्राम पंचायत बोरगांव के लोहारपारा में 1.5 मीटर पुलिया निर्माण कार्य की भी शुरुआत की गई। ग्राम पंचायत खचगांव में 20 लाख रुपये की लागत से पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। साथ ही पूरन बघेल के खेत के पास पुलिया निर्माण तथा आश्रित ग्राम ढोलमंदरी में तातरी बादे घर के पास 2 मीटर पुलिया निर्माण कार्य की भी शुरुआत की गई। ग्राम पंचायत पोलंग के मुख्य मार्ग से टेमरूमुण्डा मार्ग के बीच चंदन खेत के पास 3 मीटर स्पॉन पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

वन मंत्री ने 1 करोड़ 2 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

ग्रामीण विकास को मिल रही नई गति

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रें में सड़क, पुल–पुलिया और पंचायत भवन जैसी आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रही है। इन कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ गांवों के विकास को नई दिशा मिलेगी।

जनप्रतिनिधि और ग्रामीण रहे मौजूद

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सांसद कश्यप और विधायक लता की मौजूदगी में शुरू हुई अत्याधुनिक आपातकालीन सेवा

अब हर आपात स्थिति में मिलेगी तुरंत मदद जिले में डायल-112 सेवा का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिले में नागरिक सुरक्षा और त्वरित सहायता व्यवस्था को नई मजबूती देते हुए 20 मई को डायल– 112 आपातकालीन सेवा का भव्य शुभारंभ किया गया। इस आधुनिक सेवा के शुरू होने से अब पुलिस, एंबुलेंस, अग्निशमन, महिला सुरक्षा और सड़क दुर्घटना जैसी किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को केवल एक नंबर-112 डायल करना होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर सांसद महेश कश्यप उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक कोंडागांव सुश्री लता उसेंडी ने की। इस अवसर पर केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी, कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एडीएम चार्ली, तहसीलदार मनोज रावटे, मनोज जैन, नागेश देवांगन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने बताया कि डायल–112 सेवा छत्तीसगढ़ पुलिस की महत्वाकांक्षी परियोजना का हिस्सा है। यह सेवा 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन सक्रिय रहेगी। उन्होंने कहा कि कॉल प्राप्त होते ही प्रशिक्षित ऑपरेटर आधुनिक कॉल सेंटर के माध्यम से सूचना प्राप्त करेंगे और जीपीएस आधारित तकनीक से संबंधित टीम को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया जाएगा। लक्ष्य है कि क्विक रिस्पॉन्स टीम 10 से 15 मिनट के भीतर सहायता पहुंचाए। डायल–112 सेवा में बहुभाषी सहायता, कॉल रिकॉर्डिंग, रियल–टाइम मॉनिटरिंग और अत्याधुनिक क्विक रिस्पॉन्स सिस्टम जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इससे नागरिकों को त्वरित और प्रभावी सहायता मिल सकेगी। सेवा के संचालन के लिए कॉल सेंटर ऑपरेटरों और क्विक रिस्पॉन्स टीम को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें आपातकालीन निर्णय क्षमता, संवेदनशील मामलों में व्यवहार, विभागीय समन्वय और तकनीकी संचालन शामिल हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा, समस्त पुलिस अधिकारी–कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी सुविधाओं का प्रदर्शन भी किया गया।

- मोबाइल फॉरेंसिक वैन को भी दिखाई गई हरी झंडी

नक्सलमुक्त कोंडागांव को और सुरक्षित बनाएंगे : एसपी

पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने बताया कि डायल- 112 का शुभारंभ जिले में नागरिक सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। अब कोई भी व्यक्ति किसी भी संकट में घबराए नहीं, बस 112 डायल करे। हमारी प्रशिक्षित टीम तेजी से घटनास्थल पर पहुंचकर मदद सुनिश्चित करेगी। नक्सल मुक्त कोंडागांव को हम और अधिक सुरक्षित, आधुनिक और नागरिक–अनुकूल बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं।"

मोबाइल फॉरेंसिक वैन से अपराध जांच को मिलेगी नई ताकत

कार्यक्रम के दौरान अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस हाईटेक वैन में रक्त नमूना परीक्षण किट, डिजिटल साक्ष्य संग्रहण उपकरण, सीसीटीवी फुटेज एक्सट्रैक्शन सिस्टम, जीपीएस, हाई–कैपेसिटी लैपटॉप और अन्य आधुनिक तकनीकी उपकरण लगाए गए हैं। अब अपराध स्थल पर तुरंत वैज्ञानिक जांच संभव हो सकेगी, जिससे साक्ष्य सुरक्षित रखने और जांच प्रक्रिया को तेज व विश्वसनीय बनाने में मदद मिलेगी।

अनावश्यक कॉल न करें

जिला पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि आपात स्थिति में ही डायल– 112 सेवा का उपयोग करें और अनावश्यक कॉल कर सेवा को बाधित न करें। साथ ही नागरिकों से इस नंबर को अपने मोबाइल में सेव रखने की भी अपील की गई।

विधायक ने 8 लाख के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

कोण्डागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेण्डी ने गुरुवार को ग्राम बोलबोला में 8 लाख रुपए की लागत से दो विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विकास कार्यों की शुरुआत की गई। भूमिपूजन किए गए कार्यों में प्लाटपारा चौक के सामने 5 लाख रुपये की लागत से रंगमंच निर्माण तथा जरेबेन्दरी में बुदर पोयाम के घर से प्रेम नेताम के घर तक 100 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य शामिल है, जिसकी लागत 3 लाख रुपये है। कार्यक्रम के दौरान विधायक लता उसेण्डी ने गांव के युवाओं को खेल सामग्री भी वितरित की। उन्होंने युवाओं को खेल गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने कहा कि शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रें में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इन निर्माण कार्यों से गांव में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रामदई नाग, सरपंच श्रीमती पुष्पा पोयाम, उपसरपंच जयलाल पोयाम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग विजेता उमेश का शहर में भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विजय हासिल करने वाले खिलाड़ी न्उमी छंह का नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। अम्बेडकर वार्ड स्थित जोड़ा जैतखाम में नगरवासियों, युवाओं और खेल प्रेमियों ने उमेश नाग का फूल–मालाओं एवं जयघोष के साथ आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद स्वागत रैली निकालकर उन्हें उनके निवास तक ले जाया गया। उमेश नाग बाजार पारा निवासी लक्ष्मीनारायण नाग के पुत्र हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनकी सफलता से पूरे नगर में उत्साह का माहौल देखा गया।

- नेपाल से जीतकर लौटे खिलाड़ी का हुआ सम्मान

युवाओं के लिए बने प्रेरणास्रोत – कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने कहा कि उमेश नाग ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और नगर का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा है। स्वागत कार्यक्रम में धँसराज टण्डन, सुरेश बघेल, गुरुचरण मार्कण्डेय, गणेश कोसले, लखराज टण्डन, प्रेमराज डहरिया, नरेंद्र मार्कण्डेय, ललित नाग और रामराज कोसरे सहित बड़ी संख्या में नागरिक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थितजनों ने उमेश नाग को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धनोरा में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन, 14 किसानों को मिली डिजिटल किसान किताब

कोण्डागांव। बस्तर मुन्ने एवं सुशासन तिहार के तहत केशकाल विकासखंड के ग्राम धनोरा में विकासखंड स्तरीय क्लस्टर शिविर आयोजित किया गया। शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 14 किसानों को डिजिटल किसान किताब प्रदान की गई। शिविर में कोरकोटी, खालेवेदी, चुड़ावा, बदवर, करमरी, बेलगांव, धनोरा, सुकबेड़ा, भाटगांव और सिलाटी सहित आसपास के गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नंदनी पोटाई, जिला पंचायत सदस्य कपिल कान्त नाग तथा जनपद सदस्य श्रीमती नमीता जैन सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजस्व विभाग ने बांटे प्रमाण पत्र – शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 6 वनाधिकार खसरा, 1 वनाधिकार पुस्तिका, 1 ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, 4 जाति प्रमाण पत्र, 4 आय प्रमाण पत्र और 5 निवास प्रमाण पत्र वितरित किए गए। पंचायत विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 8 हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान की गई तथा 9 जॉब कार्ड भी वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 3 आयुष्मान कार्ड एवं 6 जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए। वहीं खाद्य विभाग ने 3 राशन कार्ड वितरित किए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा 1 बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया।

धान खरीदी घोटाले पर गरमाई राजनीति कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिले में सामने आए 1 करोड़ 53 लाख रुपये के कथित धान खरीदी घोटाले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार और प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेताओं ने प्रेसवार्ता आयोजित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और धान खरीदी व्यवस्था की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहन मरकाम ने प्रेसवार्ता में बताया कि जिस मुलमुला धान खरीदी केंद्र से क्षेत्र की विधायक लता उसेंडी ने स्वयं धान खरीदी की शुरुआत की थी। उसी केंद्र से डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक का धान गायब होना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतना बड़ा घोटाला शासन–प्रशासन की मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण के बिना संभव ही नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि मामला सामने आए 10 दिन से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक न कोई बड़ी कार्रवाई हुई है और न ही जिम्मेदार अधिकारियों पर कानूनी शिकंजा कसा गया है। उन्होंने कहा कि इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा सरकार पूरे मामले को दबाने और रफा–दफा करने का प्रयास कर रही है। प्रेसवार्ता में जिला महामंत्री रितेश पटेल, जिला उपाध्यक्ष तरुण गोलछा, प्रदेश सचिव सकुर खान, ब्लॉक अध्यक्ष संजय करन, देवेंद्र कोर्राम, शहर अध्यक्ष नरेंद्र देवांगन, उपाध्यक्ष कमलेश दुबे, बृज सोढ़ी, जनपद सदस्य जयराम मरकाम, मंडल अध्यक्ष सहदेव पोयाम, पिलाराम बघेल, योगेंद्र राठौर, सालिक बघेल, भूपेश शार्दुल सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

67 धान खरीदी केंद्रों की स्थिति पर उठे सवाल

कांग्रेस नेताओं ने जिले के सभी 67 धान उपार्जन केंद्रों की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि रिकॉर्ड में लगभग 96 प्रतिशत धान उठाव दर्शाया जा रहा है, जबकि जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई खरीदी केंद्रों और संग्रहण केंद्रों में अब भी धान पड़ा हुआ है, जबकि कागजों में उठाव पूरा दिखाया जा चुका है। प्रेसवार्ता में बताया गया कि जिले में कुल 32 लाख 35 हजार 628 क्विंटल धान खरीदी हुई, जिसमें 31 लाख 27 हजार 833 क्विंटल धान उठाव का दावा किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी ने मांग की कि जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों की निष्पक्ष और बारीकी से जांच कराई जाए। पूरे मामले की न्यायिक जांच हो तथा दोषियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही बचे हुए धान का तत्काल उठाव सुनिश्चित करने की मांग भी कांग्रेस नेताओं ने की।

सड़क से सदन तक लड़ेगी कांग्रेस

मोहन मरकाम ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शासन–प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी का एक–एक कार्यकर्ता धान खरीदी केंद्रों तक पहुंचेगा, जांच करेगा और किसानों के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ी जाएगी।

पेज 11 के शेष

माओवाद के साये...

उपाध्यक्ष डॉ. बसन्त कश्यप और पूर्व विधायक लच्छूराम कश्यप सहित बड़ी संख्या जनप्रतिनिधिगण, अनुविभागीय दंडाधिकारी नितीश वर्मा, तहसीलदार कैलाश कोड़ोपी, जनपद पंचायत सीईओ धनेश्वर पाण्डे तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल थे।

पिटाई से पत्नी ...

करने पर एक माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। लोक अभियोजक के अनुसार घटना एक जुलाई 2025 की है। थाना बंडाजी क्षेत्र के ग्राम पोटनार कोटवारपारा में आरोपी सोनसिंग कश्यप ने अपनी पत्नी लच्छनदई के साथ शराब पीने की बात को लेकर विवाद किया। पति ने पत्नी के कंधे और पैर के पुराने घाव वाले हिस्से पर जानबूझकर लात-घूंसों से मारपीट की, जिससे उसका पैर टूट गया तथा कंधे और छाती में गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। अभियोजन के अनुसार आरोपी ने घायल पत्नी का उपचार नहीं कराया, जिससे उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई और आठ दिन बाद उसकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और डॉक्टर की क्यूरी रिपोर्ट में मृत्यु को हत्यात्मक प्रकृति का बताया गया।

2 दुकानों पर...

बावजूद उपयोग करते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने व्यापारियों और ग्रामीणों से नगर पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ बनाने में सहयोग की अपील की। सीएमओ ने सभी दुकानदारों से अपनी दुकानों में मेरा दुकान प्लास्टिक मुक्त है का स्लोगन लगाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में व्यापारी जागरूक होकर अपनी-अपनी दुकानों में प्लास्टिक मुक्त के स्लोगन लगा रहे हैं। नगर पंचायत ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव...

भारत की नींव उन्होंने रखी थी। देश में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति लाकर युवाओं को नई दिशा दी। आज डिजिटल इंडिया का जो स्वरूप हम देख रहे हैं, वह उनकी दूरगामी सोच का परिणाम है। मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करना और पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करना उनके ऐतिहासिक कदम थे। उनके विचार और योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने कहा कि उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। सांप्रदायिक और हिंसक ताकतों के आगे कभी घुटने नहीं टेके। उनका बलिदान देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी अंगद त्रिपाठी, हनुमान द्विवेदी, लता निषाद, चम्पा ठाकुर, महामंत्री अनुराग महतो, कोषाध्यक्ष रविशंकर तिवारी, कौशल नागवंशी, सुरेंद्र झा, वेंकट राव,एस नीला,महेश ठाकुर, मोहसिन खान, कमलेश पाठक,जस्टिन भवानी, योगेश पाणिग्रही, लोकेश नंदा, प्रदीप सेठिया सहित अनेक कांग्रेसी मौजूद रहे।

जमीन विवाद पर...

हुआ। दोपहर 12 बजे मृतक खाना खाकर मेरे घर के आंगन में सोया हुआ था। 2 बजे प्रार्थी की पत्नी मोती भास्कर ने बताया कि रामू जीजा ने रामलाल जीजा को मार दिया। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध धारा 103(1) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया जाकर आरोपी से घटना में प्रयुक्त लोहे का गैंती जब्त किया गया। आरोपी को 20 मई को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर जिला जेल दंतेवाड़ा भेजा गया है।

आरोपी निकला 55 साल काः आरोपी रामू भास्कर 55 वर्ष निवासी ग्राम कांदाकरका बड़े तुमनार थाना गीदम जिला दन्तेवाड़ा को हथियार समेत पकड़ा गया।

कार्रवाई में इनकी रही मुख्य भूमिकाः कार्रवाई में उप निरीक्षक राजेश कुमार तथा संजय पाल, प्रधान आरक्षक विरेन्द्र नाग, आरक्षक जलदेव मरकाम, मनोज नेगी तथा डीएसएफ का आरक्षक पुरूषोत्तम मण्डावी की मुख्य भूमिका रही।

कुरेंगा में जलसंकट...

कारण स्थिति गंभीर होती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी कर रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

प्राथमिकता के साथ प्रशासन बनाए व्यवस्थाः ग्रामवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि गर्मी के इस मौसम में पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए तत्काल उचित कदम उठाए जाएं, ताकि ग्रामीणों को आंदोलन के लिए मजबूर न होना पड़े। इस कार्यक्रम में गुड्डू विष्णु बाल सिंह मुन्ना खगेश्वर राजेश कमलेश और अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

वाहन में अवैध परिवहन...

सुपुर्द किया। बताया जा रहा है कि व्यवसायी पर पांच गुना मंडी शुल्क का जुर्माना किया गया।

पाठक सूचना

केशकाल एवं आस-पास के क्षेत्रों में हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो साथ ही समाचार पत्र, विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें

संवाददाता : चिराग उपाध्याय

उपाध्याय न्यूज एजेंसी

पता : केशकाल

मो. 89826 62810

खबर संक्षेप

शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

बस्तर। नगर पंचायत बस्तर में वार्ड क्रमांक 8, 9, 10 एवं 11 के लिए सुशासन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को मौके पर ही दिया गया। शिविर के दौरान विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर 202 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सीएमओ तरुणपाल लहरे सहित नगर पंचायत के विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने हितग्राहियों से सीधा संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी और पात्र लोगों को लाभान्वित किया।

56 सरपंचों का इस्तीफा पंचायत की विफलता का परिणाम : श्यामकुमारी

भोंड/घाटलोहंगा। कांकेर जिले के अंतागढ़ विकासखंड के 56 ग्राम पंचायतों के सरपंचों का सामूहिक इस्तीफा सौंपना चिंताजनक विषय है। यह निर्णय किसी व्यक्तिगत कारण से

नहीं, बल्कि पंचायतों की लगातार उपेक्षा, विकास कार्यों की अनदेखी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण लिया गया है। प्रदेश कांग्रेस सचिव एवं सरपंच संघ की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष श्यामकुमारी ध्रुव ने कहा कि पिछले एक वर्ष से ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की स्वीकृति नहीं मिलने से सरपंच अपने दायित्वों का निर्वहन करने में असमर्थ हो गए हैं। ग्रामीणों के मूलभूत विकास कार्य ठप पड़े हुए हैं, जिससे जनता में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि सरपंच गांव की सरकार के रूप में कार्य करते हैं, लेकिन यदि उन्हें विकास कार्यों के लिए स्वीकृति और संसाधन ही उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे तो पंचायत व्यवस्था कमजोर होगी। बीते वर्ष सरपंच संघ द्वारा किए गए आंदोलन के दौरान प्रशासन ने 15 दिनों के भीतर लंबित कार्यों की स्वीकृति देने का आश्वासन दिया था, लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी वादा पूरा नहीं हुआ।

मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए मिलेगी सहायता

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन ने बैठक में निर्णय लिया कि उजर 100 योजना के माध्यम से जिले के ऐसे विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी जिन्होंने 12वीं बोर्ड परीक्षा या राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो तथा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा रखते हों। योजना के तहत स्नातक, डिप्लोमा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम तथा चयनित स्नातकोत्तर डिप्लोमा, प्रमाण-पत्र एवं कार्यकारी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सहायता दी जाएगी।

डायल 112 सेवा के शुभारंभ से कानून व्यवस्था होगी सुदृढ़: चव्हाण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

छत्तीसगढ़ शासन की डायल-112 फेस-2 नेक्स्ट जेन परियोजना के अंतर्गत 20 मई को जिला मुख्यालय में डायल 112 आपातकालीन सेवा का शुभारंभ किया गया। बस स्टैंड सुकमा में आयोजित

■ अब नागरिकों को मिनटों में मिलेगी मदद

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोंटा मनोज तिर्की, एसडीओपी सुकमा परमेश्वर तिलकवार, नगरपालिका सुकमा अध्यक्ष हूंगाराम मरकाम, पार्षद, जनप्रतिनिधियों एवं

पुलिस अधीक्षक एवं नगरपालिका अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

आमजन की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था

यह आपातकालीन स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता, आधुनिक नेक्स्ट जेन तकनीक आधारित सेवा, आमजन की सुरक्षा एवं त्वरित रिस्पॉन्स हेतु प्रभावी व्यवस्था, पुलिस एवं जनता के बीच बेहतर समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी।

नगरवासियों की उपस्थिति में डायल 112 सेवा को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया गया। पुलिस अधीक्षक एवं नगरपालिका अध्यक्ष ने डायल 112 वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा आमजन को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने हेतु सेवा की शुरुआत की गई।

आवश्यकता पड़ने पर निर्भीक होकर करे डायल

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने डायल 112 सेवा को आमजन की सुरक्षा एवं त्वरित सहायता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया। इस सेवा के माध्यम से अब जिले के नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। पुलिस अधीक्षक श्री चव्हाण ने बताया कि इस सेवा के शुभारंभ से कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने, दुर्घटना, विवाद, आपराधिक घटनाओं एवं अन्य आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। इसकी सुविधा जल्द ही सुकमा के अन्य प्रमुख स्थानों में प्रारंभ किए जाने की योजना एवं प्रक्रिया में है। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को डायल 112 सेवा के उपयोग, कार्यप्रणाली एवं इसकी उपयोगिता के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई तथा आवश्यकता पड़ने पर निर्भीक होकर डायल 112 का उपयोग करने की अपील की गई।

642 ग्रामीणों की जांच कर जगाई उम्मीद

ब्लॉक मुख्यालय से 90 किमी दूर दुर्गम गांव पहुंचा स्वास्थ्य अमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

कलेक्टर विश्वदीप के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बीजापुर के नेतृत्व में विकासखंड भैरमगढ़ अंतर्गत अत्यंत दुर्गम एवं अंदरुनी क्षेत्र नूगुर तथा उसके आश्रित ग्रामों में यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कठिन

■ उप स्वास्थ्य केंद्र नूगुर विकासखंड मुख्यालय से 90 किलोमीटर दूर है स्थित

भौगोलिक परिस्थितियों और लंबी दूरी तय कर ग्रामीणों तक पहुँचकर स्वास्थ्य सेवाओं की नई मिसाल पेश की।

इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर दीपक कुमार देवांगन के साथ सेक्टर सुपरवाइजर कुतरू केपी बीरवंश, अतुल कुशवाह आरएचओ मेल, राजू पुंगेठी आरएचओ मेल, रीता फुलमादरी एएनएम, दीप्ति खेस सीएचओ बेदरे, आकृति भगत सीएचओ मुरकिनार एवं मनोरमा तोकल एएनएम ने सक्रिय भूमिका निभाई। उप स्वास्थ्य केंद्र नूगुर विकासखंड मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित है। यहाँ पहुँचने के लिए स्वास्थ्य टीम को लगभग 2 किलोमीटर चौड़ी इंद्रावती नदी पार करनी पड़ती है। लंबे समय तक यह क्षेत्र नक्सल प्रभाव और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सरकारी योजनाओं से दूर रहा, लेकिन अब धीरे-धीरे शासन की योजनाएं गांवों तक पहुँच रही हैं और ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्राम नूगुर, हिंगमेटा एवं हुर्रागवाली में शिविर लगाकर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की तथा स्वास्थ्य शिक्षा, टीकाकरण एवं शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पहले ग्रामीण स्वास्थ्य जांच और बच्चों के टीकाकरण से कतराते थे, लेकिन अब ग्रामीण स्वयं आगे आकर स्वास्थ्य परीक्षण करा रहे हैं तथा बच्चों का नियमित टीकाकरण भी करवा रहे हैं। इससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। अंदरूनी क्षेत्रों में स्वास्थ्य टीम की नियमित पहुँच से ग्रामीणों का स्वास्थ्य विभाग के प्रति विश्वास मजबूत हो रहा है और लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बन रहे हैं।

शिविर में हुआ व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण

ग्राम नूगुर में कुल मरीज 207, एनसीडी स्क्रीनिंग 75, बुखार 3, खुजली 5, एएनसी 1, अन्य मरीज 123 इसी तरह ग्राम हिंगमेटा में कुल मरीज 125, एनसीडी स्क्रीनिंग 42, बुखार 00, खुजली 2, अन्य मरीज 81, ग्राम हुर्रागवाली, कुल मरीज 310,एनसीडी स्क्रीनिंग 115, बुखार 5, खुजली 3, अन्य मरीज 187 तीनों ग्रामों में कुल 642 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर के दौरान मरीजों को आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं तथा गंभीर मरीजों को आगे उपचार हेतु सलाह दी गई। स्वास्थ्य विभाग का यह प्रयास न केवल दुर्गम क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह ग्रामीणों में विश्वास, जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य भविष्य की उम्मीद भी जगा रहा है।

ट्रक ओनर्स की मांग पर नपा ने आधा किया शुल्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ बचेली

स्थानीय व्यापारियों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों को आर्थिक संबल देने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बड़ेबचेली ने एक सराहनीय निर्णय लिया है। नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल ने स्थानीय ट्रक मालिकों की वित्तीय समस्याओं और बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के निवेदन पत्र पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए अस्थाई दखल शुल्क को 100 से घटाकर पुनः 50 करने का फैसला लिया है।उन्होंने कहा कि परिषद ने एकमत होकर बिना किसी दबाव के स्थानीय ट्रक मालिकों को राहत देने के लिए यह फैसला लिया है। हमारी प्राथमिकता नगर के विकास के साथ-साथ यहाँ के व्यवसायियों के हितों की रक्षा करना भी है।

■ जनहित में लिया गया निर्णय

एसोसिएशन के अनुरोध पर पहल

बढ़ती महंगाई और व्यवसाय में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों को देखते हुए ट्रक एसोसिएशन ने पालिका प्रशासन को एक पत्र सौंपकर शुल्क कम करने का अनुरोध किया था। एसोसिएशन का मानना था कि शुल्क पूर्ववत 50 रहने से स्थानीय छोटे और मध्यम ट्रक मालिकों पर आर्थिक बोझ कम होगा। जनभावनाओं को सर्वोपरि रखते हुए पालिका परिषद की बैठक में इस पर सकारात्मक चर्चा हुई और सर्वसम्मति से शुल्क को वापस पुरानी दरों पर लागू करने की मंजूरी दी।

जनहित और पारदर्शिता को प्राथमिकता

इस निर्णय से न केवल परिवहन क्षेत्र से जुड़े परिवारों को सीधी राहत मिलेगी, बल्कि नगर पालिका और स्थानीय व्यवसायियों के बीच आपसी तालमेल मजबूत होगा। इस फैसले का स्थानीय नागरिकों, व्यापारी वर्ग और ट्रक ओनर्स एसोसिएशन ने स्वागत किया है तथा अध्यक्ष व पूरी परिषद का आभार जताया है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम पर बैठक, व्यापारियों ने दिया सहयोग का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

नगर पंचायत गीदम परिसर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना, उपाध्यक्ष, समस्त पार्षदगण, व्यापारीगण, दुकानदार एवं होटल संचालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी हुलसी प्रधान ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा 1 अप्रैल से पूरे देश में ठोस अपशिष्ट

प्रबंधन नियम लागू कर दिया गया है। इसके तहत नगर पंचायत क्षेत्र में निकलने वाले ठोस अपशिष्ट का स्त्रोत पर ही पृथक्करण, सुरक्षित परिवहन एवं वैज्ञानिक निपटान अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि अब सभी को कचरे को 4 श्रेणियों में अलग-अलग रखना होगा। प्रधान ने थोक अपशिष्ट उत्पादकों यानी बल्क वेस्ट जनरेटरों को विशेष रूप से जानकारी देते हुए बताया कि होटल, ढाबा, मैरिज हॉल, हॉस्टल, बड़े संस्थान आदि को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के तहत केन्द्रीय पोर्टल पर पंजीयन कराना होगा। साथ ही इन्हें अपने परिसर में ही गीले कचरे के प्रसंस्करण के लिए कंपोस्टिंग या बायोगैस जैसी सुविधा स्थापित करनी होगी। नियमों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने नागरिकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कचरा संग्रहण, सफाई या अन्य समस्याओं के लिए नागरिक टोल फ्री नंबर निदान 1100 तथा व्हॉट्सएप चैटबॉट नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त स्वच्छ सर्वेक्षण के बारे में भी व्यापारियों को विस्तार से बताया गया। सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए दुकानों के सामने डस्टबिन रखना, कचरा फैलाने वालों को रोकना और सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करना जरूरी बताया गया। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के निर्माण, आयात, भण्डारण, वितरण, विक्रय एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

दो दिन से लापता युवक की इंद्रावती नदी में मिली लाश

जगदलपुर। लोहण्डीगुड़ा थाना क्षेत्र के नारायणपाल स्थित इन्द्रावती नदी में गुरुवार सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक कोण्डागांव थाना क्षेत्र के अनंतपुर गांव का रहने वाला था। जानकारी के मुताबिक युवक की बाइक नारायणपाल इन्द्रावती नदी पुल के उपर खड़ी थी और नीचे नदी में उसका शव तैर रहा था। लोहण्डीगुड़ा टीआई रविकुमार बैगा ने बताया कि युवक की शिनाख्त युवराज मानिकपुरी 24 वर्ष के रूप में हुई है। युवराज 19 मई को अपने परिजनों को कोण्डागांव जा रहा हूं कहकर बाईक से निकला था। कई घंटे बाद भी घर नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच 20 मई को अनंतपुर क्षेत्र के रहने वाला युवक किसी काम से लोहण्डीगुड़ा आया हुआ था। काम समाप्त करने के बाद वह रात में वापस अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान उसने पुल के उपर युवराज की बाइक देखी और परिजनों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद

गुरुवार सुबह परिजन मौके पर पहुंचे और उसकी बाइक देख कर लोहण्डीगुड़ा पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही लोहण्डीगुड़ा टीआई टीम के साथ मौके पर पहुंचें और नदी में तैरती उसके शव को बाहर निकाला। शव की शिनाख्त मृतक के भाई व परिजनों ने लापता युवराज के रूप में की। लोहण्डीगुड़ा पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पीएम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवक ने आत्महत्या क्यों कि इसका पता नहीं लग सका है परिजनों के मुताबिक वह कोण्डागांव जाने के लिए घर से निकला था लेकिन दो दिन के बाद उसका शव मिला। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की विवेचना कर रही है।

पीएम आवास की राशि अटकी, अधूरे मकानों में रहने को मजबूर ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा

राज्य सरकार जहां सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, पारदर्शिता और जनकल्याण के बड़े-बड़े दावे कर रही है। वहीं बस्तर जिले के कई गांवों में गरीब और आदिवासी परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना की अधूरी राशि के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। बरसात का मौसम नजदीक आने के बावजूद कई हितग्राहियों के मकान अधूरे पड़े हुए हैं और परिवार असुरक्षित हालात में रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि योजनाओं का प्रचार तो किया जा रहा है, लेकिन जमीन पर गरीबों को उनका अधिकार समय पर नहीं मिल पा रहा है।

■ बरसात से पहले बेघर होने की कगार पर आदिवासी गरीब किसान

इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों के लिए सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है, लेकिन विभागीय लापरवाही और भुगतान में देरी के कारण ग्रामीणों की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। कई हितग्राहियों को पहली किस्त मिलने के बाद अगली राशि समय पर नहीं मिली, जिससे मकान निर्माण कार्य बीच में ही रुक गया। कुछ लोगों ने दीवारें खड़ी कर लीं तो कुछ छत डालने की तैयारी में थे, लेकिन भुगतान रुकने से निर्माण अधूरा छोड़ना पड़ा। जनपद पंचायत बस्तर अंतर्गत ग्राम पंचायत चोकर के हितग्राही गंगा राम ने बताया कि वे कई बार पंचायत कार्यालय और संबंधित अधिकारियों के पास जा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें यही जवाब मिलता है कि हम विभाग को लिखकर दे चुके हैं, पैसा आने पर खाते में डाल दिया जाएगा। गंगा राम का कहना है कि मानसून आने से पहले छत तैयार नहीं हुई तो पूरा परिवार मुश्किल में पड़ जाएगा। उन्होंने बताया कि मजबूरी में लगभग 50 हजार रुपये कर्ज लेकर मकान का काम आगे बढ़ाया, लेकिन अब कर्ज चुकाने की चिंता अलग सताने लगी है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि के साथ-साथ मनरेगा और जॉब कार्ड के तहत मिलने वाली मजदूरी का भुगतान भी समय पर नहीं हो रहा है। कई मजदूरों को 20 हजार रुपये तक की राशि नहीं मिली है। मजदूरी भुगतान में देरी के कारण गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति और खराब हो गई है। मजदूरों, मिस्त्रियों और निर्माण सामग्री दुकानदारों का भुगतान करना भी अब हितग्राहियों के लिए मुश्किल हो रहा है।

ग्रामीणों को स्वच्छता व शौचालय उपयोग के प्रति किया जागरूक

दंतेवाड़ा। जिले में आज स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत 20 मई से 15 जून तक विशेष स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया गया है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रोत्साहित करना तथा शत-प्रतिशत शौचालय निर्माण एवं उपयोग सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में विभिन्न जनजागरूकता एवं स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। विकासखंड समन्वयक, युवोदय टीम तथा स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों को व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय निर्माण के लिए प्रेरित किया गया।

अव्यवस्थित पार्किंग पर नगर पंचायत सख्त सीएमओ लहरे ने खुद संभाला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

नगर पंचायत बस्तर क्षेत्र के साप्ताहिक बाजार में बेतरतीब पार्किंग से राहगीरों को हो रही परेशानी को लेकर सीएमओ तरुणपाल लहरे ने मोर्चा संभाल लिया है।

ऑटो चालकों व व्यापारियों द्वारा बाजार स्थल एवं नेशनल हाइवे सड़क पर मनमाने ढंग से वाहन खड़े करने से आने-जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। नगरवासियों ने कई बार नगर पंचायत से पार्किंग व्यवस्था सुधारने की अपील की थी। इसे गंभीरता से लेते हुए सीएमओ तरुण पाल लहरे स्वयं साप्ताहिक बाजार

पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों, ऑटो चालकों और ग्रामीणों को वाहनों की पार्किंग मेला स्थल मैदान एवं खेल मैदान में करने के निर्देश दिए ताकि बाजार स्थल पर भीड़ और जाम की स्थिति न बने। सीएमओ ने जानकारी दी कि नगर पंचायत की पूरी टीम व्यवस्था बनाने में लगी है। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्देशों का पालन नहीं करने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

नगर पंचायत ने स्पष्ट किया कि बाजार में सुगम आवाजाही और अव्यवस्था रोकने के लिए यह कदम जरूरी है। आगे भी नियमित निगरानी रखी जाएगी।

शपथ-पत्र

(नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मैं दिनेश नुरेटी पिता लच्छनू उम्र 34 वर्ष जाति गोंड, निवासी ग्राम पोस्ट खोड़गांव तहसील व जिला नारायणपुर (छ.ग.) एतद् द्वारा पूर्णतः पुष्टि करता हूँ और निम्नानुसार घोषित करता हूँ :-

1. मैं ग्राम पोस्ट खोड़गांव तहसील व जिला नारायणपुर (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ।
2. मैं अपनी नाबालिग पुत्री शाउल नुरेटी (SHAUL NURETI) के नाम को बदलकर उसका सही नाम उपनाम सोनिता नुरेटी (SONITA NURETI) अंकित करवाना चाहता हूँ। जो उसके जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है।
3. मैं अपनी पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूँगा।
4. मेरी पत्नी श्रीमती सताय बाई (पत्नी/पति का नाम) को हमारी नाबालिग पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।
5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

सत्यापन

मैं शपथकर्ता दिनेश नुरेटी पिता लच्छनू सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथ पत्र की कंडिका 01 से 05 तक की समस्त जानकारी मेरे स्वयं के ज्ञान से सत्य एवं सहीं है। आज दिनांक 20/05/2026 को स्थान नारायणपुर में अपना हस्ताक्षर/अंगूठा निशान कर सत्यापित किया।

स्थान :- नारायणपुर
दिनांक :- 20/05/2026

दिनेश नुरेटी
शपथकर्ता

दिनेश नुरेटी
सत्यापनकर्ता

न्यायालय तहसीलदार बस्तर जिला बस्तर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./क/ब 121/2025-2026

// उद्घोषणा //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि आवेदक लच्छनदई भद्रे पिता/पति स्व. मंगल सिंह भद्रे जाति भतरा निवास ग्राम परचन पाल द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि उसके पति स्व. मंगल सिंह भद्रे पिता मानसिंह की माता/पिता- मृत्यु दिनांक 15/12/2024 को ग्राम परचन पाल में होना बताते हुए मृत्यु होने से मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ महिला/ संस्था को आवेदन पत्र के संबंध में आपत्ति पेश करना हो तो वे नियत तिथि 02/06/2026 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते है। म्याद पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 19/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा सहित जारी किया ।

मुहर

तहसीलदार
बस्तर

खबर संक्षेप

मॉडल उत्तरों पर आपत्ति 30 तक

जगदलपुर। प्रयास आवासीय विद्यालयों के आगामी सत्र 2026-27 के लिए कक्षा नवमी की प्राक्चयन परीक्षा में शामिल हुए छात्र-छात्राओं के लिए आदिवासी विकास विभाग ने परीक्षा के मॉडल उत्तर जारी कर दिए हैं। परीक्षार्थी और उनके अभिभावक विभागीय पर जाकर इन मॉडल उत्तरों का अवलोकन कर सकते हैं। यदि किसी भी छात्र या अभिभावक को जारी किए गए उत्तरों पर कोई आपत्ति या संदेह है, तो वे आगामी 30 मई की रात्रि 12 बजे तक पोर्टल के माध्यम से अपनी दावा-आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं।

लाइफ इंश्योरेंस फेडरेशन के अध्यक्ष बने कौशिक

जगदलपुर। रायपुर डिवीजन लाइफ इंश्योरेंस फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद पर जगदलपुर के कौशिक शुक्ला निर्विरोध चुने गए। वहीं सचिव सतीश शर्मा एवं कोषाध्यक्ष सुनील साहू रायपुर से बने। निर्वाचन अधिकारी भोपाल से एसडी शर्मा एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष सईद खान, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कमलेश मोदी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी जिले से अभिकर्ता संघ के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य उपस्थित हुए। कोंडागांव, जगदलपुर, बालोद, रायपुर, भिलाई, दुर्ग धमतरी, एवं अन्य शाखों के सदस्य शामिल हुए। निर्वाचन के बाद फूल मालाओं से स्वागत अभिनंदन बधाई देने का सिलसिला चलता रहा।

देश की राजधानी में गूंजेगी जनजातीय संस्कृति की धमक, 24 को होगा भव्य समागम

डी लिस्टिंग की मांग, ट्रेन से रवाना हुए 1500 आदिवासी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिला समेत दक्षिण पश्चिम के दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर के डेढ़ हजार से अधिक आदिवासी स्पेशल ट्रेन से नई दिल्ली के लिए आज रवाना हुए। बताया गया कि 24 मई को डी लिस्टिंग की मांग को लेकर अखिल भारतीय स्तर की जनजाति सांस्कृतिक समागम का आयोजन होगा। जिसमें नेपाल और श्रीलंका से भी जनजाति लोग पहुंचेंगे। वनवासी कल्याण आश्रम के जिला सचिव सेवानिवृत्त अधिकारी उमेश सिंह ने हरिभूमि से कहा कि विशेष बात यह है कि नई दिल्ली जाने वाले सभी लोग 1500 रूपए का रेल किराया स्वयं दिया है। वैसे रजिस्ट्रेशन 5 हजार लोगों का था लेकिन एक ही ट्रेन उपलब्ध हो सका। जिसमें स्लीपर के सभी 22 बोगी है। रेलवे स्टेशन जगदलपुर में हरिभूमि से चर्चा में 4 जिले से पहुंचे अनेक बुजुर्ग और महिलाओं ने कहा कि पहली बार रेल की सवारी करेंगे। चितापुर गांव का सोमधु ने कहा कि मैं भी पहली बार रेल में बैंठूंगा। जनजाति सुरक्षा मंच छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में पूरे प्रदेश से बड़ी संख्या में स्पेशल ट्रेन से जनजाति समाज के लोग दिल्ली जा रहे है। बताया गया कि धर्मांतरित व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर करने की आवाज देश की राजधानी दिल्ली में बुलंद की जाएगी। संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिश में 10 जुलाई 1967 में उल्लेख है कि कोई भी व्यक्ति जिसने जनजाति आदि मत तथा विश्वासों का परित्याग कर दिया हो और ईसाई या इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया हो उसे अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जावेगा।

4 जिलों से पहुंचे बुजुर्ग और महिलाएं बोले- 'जिंदगी में पहली बार करेंगे रेल की सवारी'

मंत्री केदार कश्यप ने कराया भोजन

स्पेशल ट्रेन छूटने का समय 11 बजे था लेकिन वनमंत्री केदार कश्यप 10 बजे से पहले ही रेलवे स्टेशन पहुंच गए। उन्होंने सभी लोगों को दिल्ली पहुंचकर समागम में शामिल होने की शुभकामनाएं दी। वहीं रेलवे हास्पिटल के पास भोजन स्थल पहुंचकर आदिवासी भाइयों को भोजन कराया।

भारत माता की जय के लगे नारे

ठीक सवा 11 बजे ट्रेन नई दिल्ली के लिए रवाना हो गई। इस दौरान देशभक्ति के नारे लोगों ने लगाए। भारत माता की जय के नारे लगाते डेढ़ हजार लोग प्रफुल्लित होकर दिल्ली प्रस्थान किए। विशेष रूप से उन लोगों के चेहरे चमक रहे थे जो पहली बार रेल में सफर करने के लिए पहुंचे थे। वहीं ट्रेन छूटने के बाद पहुंचे एक दर्जन लोगों को रायपुर रवाना किया गया जो इसी टेन में रायपुर से बैठकर नई दिल्ली जाएंगे।

रेलवे स्टेशन में सुबह से ही समूह में गांव गांव से लोगों का आना जारी रहा। अलग अलग जिलों और ब्लाकों के लोगों के लिए बोगी में टिकट रजिस्ट्रेशन के अनुसार बैठाया जा रहा था। वनवासी कल्याण आश्रम के अलावा अन्य संगठन के लोगों के द्वारा भोजन और पानी की बोतलें सभी बोगियों में भरा जा रहा था ताकि लंबे सफर में गांव गांव से जा रहे जनजाति लोगों को किसी प्रकार की खाने पीने की दिक्कत न हो। हर बोगी के हिसाब से टोली बनाकर जिम्मेदार व्यक्ति को दायित्व दिया गया था। क्योंकि बीजापुर जिले से जा रहे लोगों में लगभग 90 प्रतिशत ऐसे है जो पहली बार ट्रेन में सफर करेंगे। रास्ते भर और नई दिल्ली में पहुंचने के बाद कोई भी इधर उधर न भटके इसलिए जिम्मेदारी दी गई है।

वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़े सेवाभावी भी गए

जनजाति सांस्कृतिक समागम में आदिवासी समाज के अलावा वनवासी कल्याण आश्रम से लंबे समय से सेवा कार्य में जुड़े गैर आदिवासी लोग भी रवाना हुए। इनमें वनवासी कल्याण आश्रम बस्तर के जिलाध्यक्ष प्रकाश सिंह ठाकुर, सचिव उमेश सिंह, सेवानिवृत्त वन अधिकारी शेखर स्वरूप और सुब्रमण्यम राव, संभागीय संगठन मंत्री नैनी जंघेय्या, जिला संगठन मंत्री बालसाय नेताम, पूर्णकालिक कार्यकर्ता हरबंधु जोशी, प्रांत समिति के एएन साही, जगदलपुर ब्लाक सचिव आशीष बोस समेत कई लोग दिल्ली गए। सेवा कार्य से जुड़े डॉ प्रदीप पांडेय भी दवाईयों के साथ लोगों को विदा करने पहुंचे थे।

सड़क हादसे में युवा व्यवसायी की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर के कालीपुर मार्ग में बीती रात हुए सड़क हादसे में युवा व्यवसायी की मौत हो गई। मृतक धरमपुरा इलाके में स्टेशनरी शॉप का संचालक था।

घटना परपा थाना क्षेत्र स्थित कालीपुर के करीब हुई जहां बाईक दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद गंभीर स्थिति में उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन उपचार से पूर्व उसकी मौत हो चुकी थी।

जानकारी के मुताबिक कालीपुर के पास बीती रात स्टेशनरी व्यवसायी की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। पीछे आ रहे दोस्तों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परपा पुलिस ने बताया की 33 वर्षीय गुप्तेश्वर जैन मूलतः कांकेर का रहने वाला था। और पिछले कुछ वर्षों से वह धरमपुरा में स्टेशनरी की दुकान चलाते थे। बीती रात उसने दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनाया था और कार से दोस्तों के साथ आए थे। रात करीब 10 बजे उन्होंने अपनी कार दोस्तों को देकर दोस्त की बाइक से घर जाने रवाना हुआ था। गुप्तेश्वर अपनी बाइक लेकर घर की ओर जा रहा था तभी कालीपुर के पास मोड़ पर वह बाईक पर नियंत्रण नहीं रख पाया और वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। इसी पीछे से आ रहे दोस्तों ने भीड़ देखकर गुप्तेश्वर को पहचान की और तत्काल उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत की खबर से दोस्तों और रिश्तेदारों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों को उसके मौत की खबर मिलने के बाद जगदलपुर पहुंचे। परपा पुलिस द्वारा पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप कर मामले की जांच कर रही है।

आड़ावाल अस्पताल में ड्रेसर नहीं, रोज पहुंच रहे दुर्घटना में घायल लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

कोरापुट, विशाखापट्नम जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का आड़ावाल से नगरनार तक का क्षेत्र काफी खतरनाक हो गया है। एनएमडीसी

- उपसरपंच ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल
- आड़ावाल का ड्रेसर महारानी अस्पताल में अटैच

का स्टील प्लांट नगरनार में लगने के बाद से इस इलाके की आबादी बढ़ने से तेज रफ्तार वाहनों की

आवाजाही काफी बढ़ गई है। आज दिन में करीब 11 बजे आड़ावाल का उपसरपंच दिनेश जना अपने साथियों के साथ सड़क दुर्घटना में घायल लोगों का त्वरित उपचार कराने आड़ावाल अस्पताल पहुंचा। जहां एक ही जवाब 2 साल से मिल रहा है ड्रेसर नहीं है। आज भी बिना ड्रेसर के कारण घायलों का तुरंत इलाज नहीं हो पाया। जैसे तैसे अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने मलहम पट्टी की। हरिभूमि से चर्चा में पिछले दिनों सीएमएचओ डॉ संजय बसाक ने कहा था कि वहां पदस्थ ड्रेसर महारानी अस्पताल में काम कर रहा है क्योंकि यहां ड्रेसर नहीं है इसलिए आड़ावाल अस्पताल में किसी वार्ड ब्वाय को प्रशिक्षित कर भेंजेंगे। उन्होंने सप्ताह भर में भेजने की बात कहीं थी लेकिन 15 दिन हो गए आज तक 5 किलोमीटर दूरी पर स्थित आड़ावाल अस्पताल में ड्रेसर नहीं पहुंचा है।

जानलेवा सड़क पर रोज दुर्घटनाएं

उपसरपंच ने बताया कि स्टील प्लांट शुरू होने से हर दिन दुर्घटनाएं इस मार्ग पर हो रही है। महारानी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज दूर होने से घायलों को नजदीक के आड़ावाल अस्पताल लाया जाता है लेकिन यहां घायल का तुरंत इलाज करने कोई व्यवस्था नहीं है। सबसे पहले ड्रेसर होना बहुत जरूरी है। जल्द ही अंतिम चेतावनी देकर अस्पताल के सामने धरना प्रदर्शन करने की बात कही।

एमपी की लाखों की शराब जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर थाना क्षेत्र के झारतरई में रेड कार्रवाई करते हुए आबकारी की टीम ने बड़ी मात्रा में अवैध अग्रेंजी शराब जब्त किया है। बरामद 43 पेटी एमपी निर्मित शराब की कीमत 2.90 लाख रूपए आंका

- 43 पेटी में भरा 387 बल्क लीटर शराब आबकारी ने किया बरामद
- 2.90 लाख रुपए की शराब व दो बाईक आरोपियों से किया गया बरामद

गया है। इसके अलावा आरोपियों से दो बाईक भी बरामद किया गया है।

शराब तस्करी की सूचना पर आबकारी आयुक्त पदुम सिंह एल्मा के निर्देश व जिला आबकारी अधिकारी अमन सिंह के मार्गदर्शन में आबकारी एसआई अकिंत सिंह राठौर के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था। टीम को सूचना मिली थी कि झारतरई बाजार में कुछ लोग अवैध शराब खपाने ग्राहक का इंतजार कर रहे है। टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और उनके कब्जे से मध्यप्रदेश प्रांत का गोवा ब्रांड की विदेशी मदिरा स्प्रिट 43 पेटी कुल 387 बल्क लीटर बरामद कर जब्त किया गया। जब्त शराब की कीमत 2 लाख 90 हजार 250 रूपए आंका गया है। इसके अलावा मौके से बाईक क्रमांक सीजी 17 केसी 6209 कीमत 40 हजार रूपए तथा बाईक क्रमांक सीजी 17 एलई 0362 कीमत 80 हजार रूपए कुल कीमत 4 लाख 10 हजार 250 रूपए बरामद किया गया। विवेचना अधिकारी अकिंत सिंह राठौर ने बताया कि काफी समय से इस इलाके में अवैध शराब तस्करी की सूचना मिल रही थी जिसके बाद से ही नजर रखी जा रही थी। जिला आबकारी अधिकारी अमन सिंह ने बताया कि शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

भेजा गया न्यायिक रिमाण्ड में जेल

आबकारी की टीम ने मौके से अवैध शराब के साथ आरोपी भकचंद नाग 46 वर्ष निवासी मंधोता थाना बस्तर, यादो राम मांझी 35 वर्ष निवासी उसरी थाना बस्तर व लैखन मौर्य 37 वर्ष निवासी देवड़ा थाना भानपुरी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) (क), 34 (2), 36 व 59 (क)के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया। कार्रवाई में एसआई अकिंत सिंह राठौर के अलावा प्रधान आरक्षक शिव प्रसाद सिन्हा, ललित ठाकुर, शैलेष पांडे, श्याम सुंदर केसरी, पृथ्वीराज श्रीवास्तव, आरक्षक कविश यादव एवं वाहन चालक हेमराज बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल न बने रेफर सेंटर : नवनीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य सयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बस्तर संभाग

- अनुबंध सार्वजनिक कर गरीबों को मिले सही इलाज
- बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

अध्यक्ष नवनीत चांद के नेतृत्व में पार्टी की ओर से राज्य शासन, स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन को सौंपे ज्ञापन में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में संचालित सेवाओं, पीपीपी अनुबंध, मानव संसाधन, मरीज अधिकारों एवं वित्तीय संबंधी जांच की मांग की गई है।

उन्होंने जारी बयान में कहा कि जिस अस्पताल को बस्तर के गरीब, आदिवासी एवं ग्रामीण मरीजों के बेहतर इलाज हेतु स्थापित किया गया है। वहां मरीजों को रेफर और अन्य तरह की शिकायतें आ रही हैं।

बस्तर की जनता के स्वास्थ्य एवं अधिकारों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। आम नागरिकों को उपचार, पारदर्शिता और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि पीपीपी अनुबंध एवं अस्पताल संचालन की पूर्ण ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। मेडिकल काउंसिल, स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त जांच समिति गठित हो। मरीजों एवं कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। बस्तर के स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता दी जाए। इस दौरान मेहताब सिंह, अलका नादन, निहारिका सिंह, हिमांशु आनंद, वन माली नाग सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ आसना का शीतला माता मेला, हजारों ने किए दर्शन

जगदलपुर। आसना के प्राचीन शीतला माता मंदिर में वार्षिक मेला का आयोजन हुआ। सुबह विशेष पूजा के बाद मंदिर परिसर में बाजार सजा।
मेले में बच्चों के खिलौने, जलेबी-कचौरी, पूजा सामग्री और मिट्टी की सुराही सहित अन्य सामानों के कई दुकानें लगीं। स्व सहायता समूह की महिलाओं ने अचार-पापड़ के 30 से अधिक स्टॉल लगाए। दुकानदार सुखराम साहू ने बताया कि पिछले साल से दोगुनी भीड़ रही। सरपंच प्रेमबती बघेल के अनुसार पंचायत ने पानी, टेंट और सफाई की व्यवस्था की थी शाम तक हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। शाम को महाआरती के बाद महिलाओं ने पूजन किया। ईश्वर खम्बारी, उदय चंद पानीग्राही देवशंकर पण्डा, गिरिजा पांडे, देवकृष्ण पानीग्राही, चन्द्रकान्त पानीग्राही, राधाकांत पानीग्राही सहित गांव के प्रमुख लोग पहुंचे थे।

पुलिस ने सुलझाई 2 वर्ष पुराने अंधे कत्ल की गुत्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार वर्मन के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी राहुल उईके के पर्यवेक्षण में

- प्लास्टिक बोरी में मिला महिला का कंकाल
- शक के चलते पत्नी ने रची हत्या की साजिश

थाना प्रभारी धनंजय सिन्हा के नेतृत्व में थाना सिटी कोतवाली में दर्ज गुम इंसान की पतासाजी की जा रही थी, किन्तु कोई सुराग प्राप्त नहीं हो रहा था।

गुमशुदा महिला रामदई कश्यप की पतासाजी के लिए उनि. संजय पाल, सउनि. पंकज धर एवं प्रआर. आशीष कुमार नाग की टीम गठित की गई। टीम ने मामले की नए सिरे से जांच प्रारंभ की। 12 मई को गुमशुदा के परिजनों के कथन लिए गए तथा कॉल डिटेल का विश्लेषण किया गया, जिसमें पाण्डू करटम से लगातार संपर्क होना पाया गया। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि गुमशुदा महिला के साथ नजदीकी संबंध था। 13 मई को ग्राम तोयलंका पहुंचकर ग्रामीणों से पूछताछ की गई। जानकारी मिली कि रामदई कश्यप दंतेवाड़ा में रहती थी। 15 मई को रामबती करटम निवासी ग्राम तोयलंका से

विस्तृत पूछताछ की गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गुमशुदा रामदई कश्यप का कमली करटम के पति के साथ नजदीकी संबंध था, जिसकी जानकारी कमली करटम को भी थी। नजदीकी संबंध से नाराज होकर कमली करटम ने अपने रिश्तेदार हुंगाराम उर्फ बुटू करटम को पैसे देकर रामदई कश्यप की हत्या की साजिश रची। घटना के समय उसका पति गांव में बीज त्यौहार के कारण तोयलंका आया हुआ था। इसका फायदा उठाकर कमली करटम ने अपने पति की पहली पत्नी की बेटी लक्ष्मी करटम को दंतेवाड़ा भेज दिया। रात में कमली ने फोन कर रामदई के बारे में जानकारी ली, तब लक्ष्मी ने बताया कि वह घर में सो रही है। इसके बाद कमली करटम ने अपनी पिकअप वाहन से हुंगाराम करटम को दंतेवाड़ा भेजा। जिसके बाद हूंगाराम ने घर में घुसकर रामदई कश्यप का मुंह एवं गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को रात लगभग 12 से 1 बजे के बीच पिकअप वाहन में रखकर आरोपी हुंगाराम उर्फ बुटू करटम ग्राम तोयलंका स्थित अपने घर के पीछे नाले किनारे ले गए, जहां शव को दफना दिया गया।

कमली करटम की निशानदेही पर दण्डाधिकारी गरिमा प्रधान, फोरेंसिक विशेषज्ञ वसीम अकरम, पुलिस स्टाफ एवं गवाहों की उपस्थिति में शव को निकाला गया। मौके से सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में भरा मानव कंकाल बरामद किया गया। शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। मामले में धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

21 मई को मामले में अपराध कायम कर घटना स्थल निरीक्षण, नक्शा तैयार कर गवाहों के कथन लिए गए। आरोपियों के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर लक्ष्मी नाग पति चिंटू नाग 22 वर्ष निवासी कटेकल्याण तथा कमली करटम पति पाण्डु 40 वर्ष निवासी तोयलंका को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेजा गया।